पहेली बूझो

लिलियन मूर

पहेली बूझो

लिलियन मूर

पहेली बूझो

बैनी धीरे-धीरे चलता

घर के अंदर आया.

“क्या बात है?”

माँ ने पूछा.

“करने के लिए कुछ भी नहीं है,”

बैनी ने कहा.

“करने के लिए कुछ भी नहीं है?”

माँ ने कहा.

“ऐसे सुहावने दिन में भी.”

“कोई नहीं है

जिसके साथ मैं खेलूं

और करने के लिए भी

कुछ नहीं है.”

बैनी की माँ ने

कुछ देर सोचा.

फिर माँ ने कहा,

“मैं जानती हूँ तुम क्या कर सकते हो.

तुम चलते-चलते पहेली हल कर सकते हो.”

“यह क्या बात है?”

बैनी ने कहा.

“यह तो नासमझी लगती है.”

“बस, चलते समय

तुम्हें अपनी आँखें

खुली रखनी हैं,”

माँ ने कहा.

“शायद तुम न कर पाओ.”

“मैं आँखें खुली रख सकता हूँ!”

बैनी ने चिल्ला कर कहा.

“बोलो क्या करना है?”

“तुम्हें इतना करना है,”

माँ ने कहा,

“मैं तुम्हें तीन पहेलियाँ बताऊँगी

तुम्हें अपने ब्लॉक की सैर करते-करते

उन पहेलियों के उत्तर खोजने है.

यह आसान नहीं है.”

“मैं कर सकता हूँ!”

बैनी ने ऊँची आवाज़ में कहा.

वह उछला और बोला,

“क्या पहेलियाँ हैं?”

बैनी की माँ सोचने लगी

और कुछ देर सोचती रही.

फिर माँ ने कहा,

“यह हैं पहेलियाँ.

तुम तैयार हो?”

“तैयार हूँ!” बैनी ने कहा.

“पहली पहेली,”

बैनी की माँ ने कहा,

“वह क्या है

जो हरा और चिपचिपा है

और हमारी गली में कल नहीं था?”

बैनी सोचने लगा.

“यह है दूसरी पहेली,”

माँ ने कहा.

“वह क्या है जो चपटा है

और चार में से एक है?”

बैनी इस पहेली के बारे में

सोचने लगा.

“और अब अंतिम पहेली,”

बैनी की माँ ने कहा.

“वह क्या है जो हमारी गली में

सबसे नरम है?”

बैनी ने तीसरी पहली

के बारे में भी सोचा.

“मैं तीनों को हल कर लूँगा!”

वह चिल्लाया.

और घर से बाहर भागा.

बैनी धीरे-धीरे

गली में चलने लगा.

“वह क्या है जो हरा और चिपचिपा है

और कल यहाँ नहीं था?”

वह सोचने लगा.

उसने आसपास देखा.

लेकिन उसे ऐसी कोई चीज़

दिखाई नहीं दी जो

इस पहेली को सुलझा सके.

उसे जोसी दिखाई दी.

जोसी उसके मित्र सैम की

छोटी बहन थी.

सैम बहन को 'पैस्ट' के नाम
से बुलाता था.
बैनी रुक कर उससे
बात न करना चाहता था.
वह तो बस पहेली
सुलझाना चाहता था.
लेकिन जोसी भाग कर उसके पास आई.
"हैलो, बैनी!" उसने चिल्लाकर कहा.
"तुम कहाँ जा रहे हो?"
बैनी कहना चाहता था,
"जाओ यहाँ से, पैस्ट!"
लेकिन उसने जोसी के चेहरे की ओर देखा.
उसके मुंह पर कुछ चिपका हुआ था, और
उसके हाथ में एक हरा, चिपचिपा
लॉलीपॉप था.
बैनी हँसने लगा.

“धन्यवाद, जोसी!” वह चिल्लाया.

“तुम्हें क्या हुआ है?”

जोसी ने पूछा.

लेकिन बैनी बिना कुछ कहे

भागता चला गया.

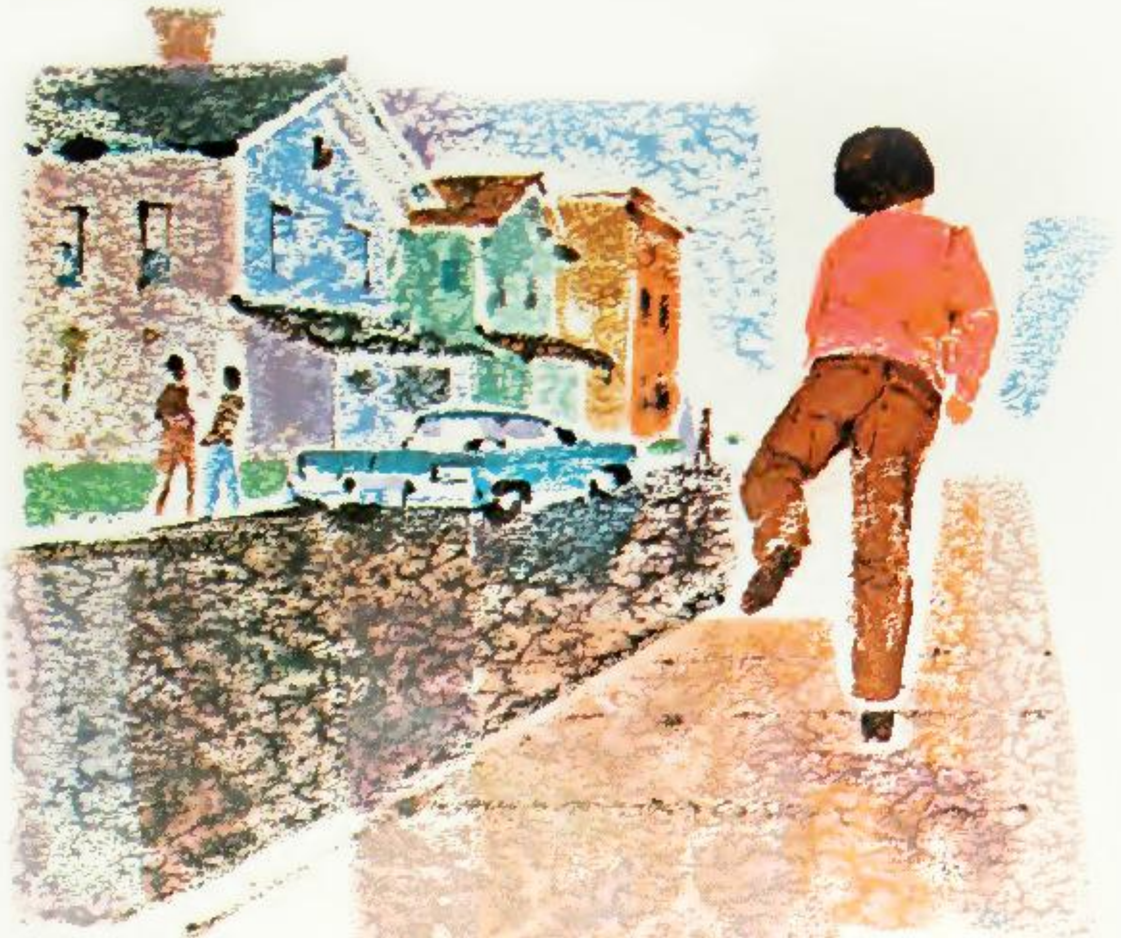

“हरा और चिपचिपा!

एक हरा लॉलीपॉप

ही तो है.”

अब बैनी दूसरी पहेली

को सुलझाने के लिए

इधर-उधर देखने लगा.

वह धीरे चल रहा था
और गली के दोनों ओर
हर चीज़ को ध्यान से
देख रहा था.

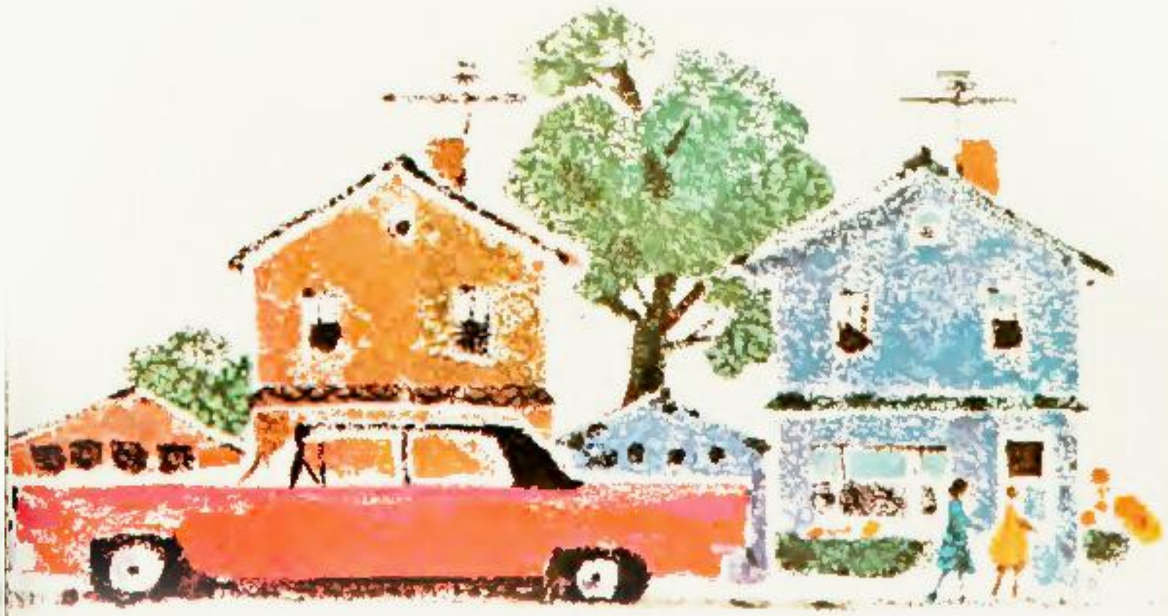

लेकिन उसे ऐसी कोई चीज़
दिखाई न दी जो सही लगती.
उसने ऐसी कोई चीज़ न
देखी जो चपटी थी
और जो चार में एक थी.
वह मोड़ पर घूमा
और मिस्टर ऐवरगुड से
टकराते-टकराते बचा.

“हाइ, मिस्टर ऐवरगुड!”

बैनी ने कहा.

“हैलो, बैनी,” मिस्टर ऐवरगुड ने कहा.

वह अपनी कार की ओर गए.

बैनी उनके पीछे-पीछे आया.

मिस्टर ऐवरगुड अपना कार का

टायर बदलने वाले थे.

बैनी उन्हें देखने लगा.

उन्होंने कार से कुछ औज़ार निकाले.

मिस्टर ऐवरगुड ने कार का एक पहिया

खोल कर अलग किया.

उसकी जगह वह दूसरा पहिया

लगाने लगे.

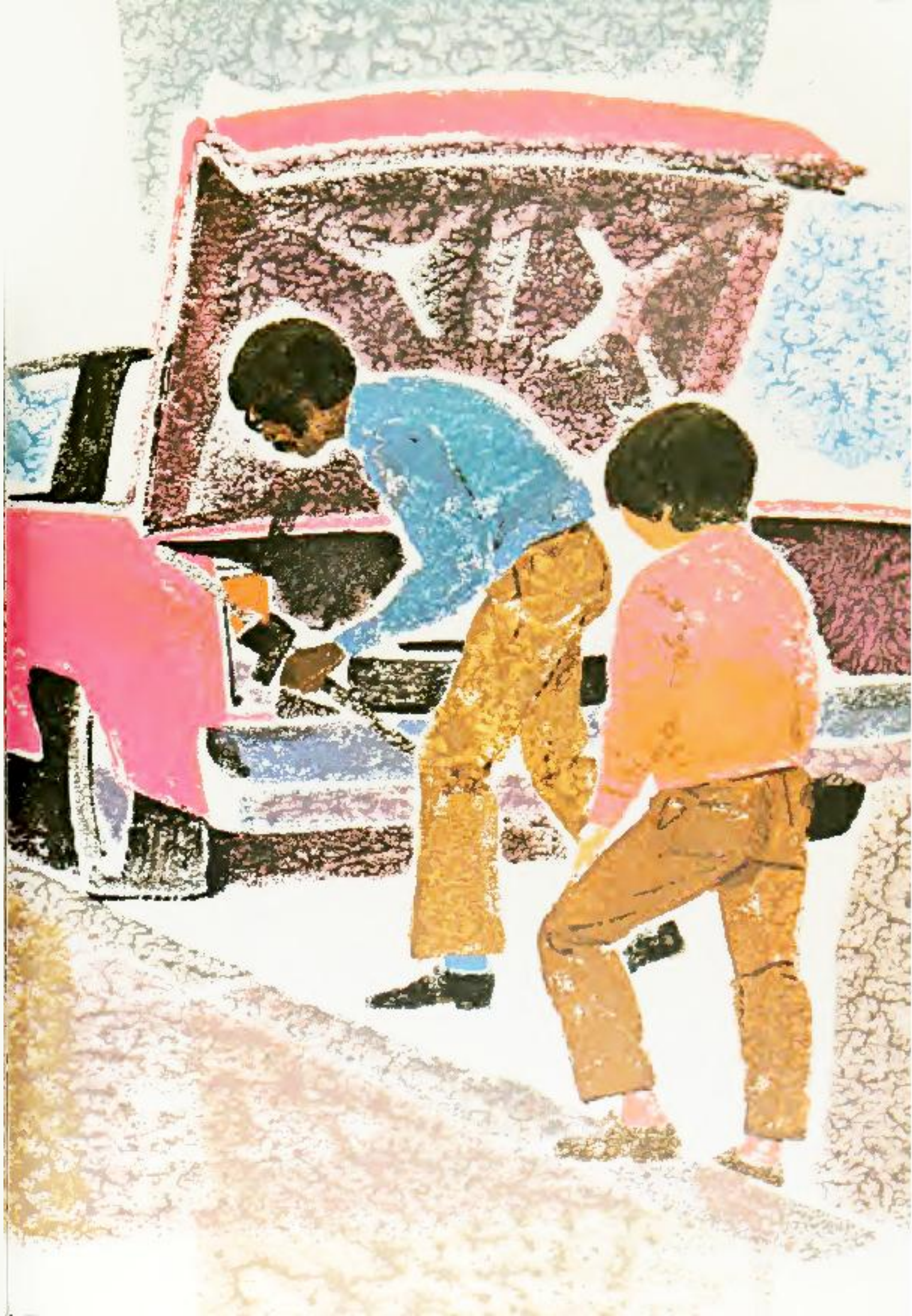

“मुझे वह हथौड़ी पकड़ाओ,

पकड़ाओगे क्या, बैनी,”

मिस्टर ऐवरगुड ने कहा.

आखिरकार काम पूरा हुआ.

मिस्टर ऐवरगुड ने पुराना

टायर उठाया.

उन्होंने बैनी से कहा,

“इस टायर को देखो,

पैनकेक की तरह

चपटा हो गया है!”

बैनी हँस दिया.

उसे दूसरी पहेली का

उत्तर मिल गया था.

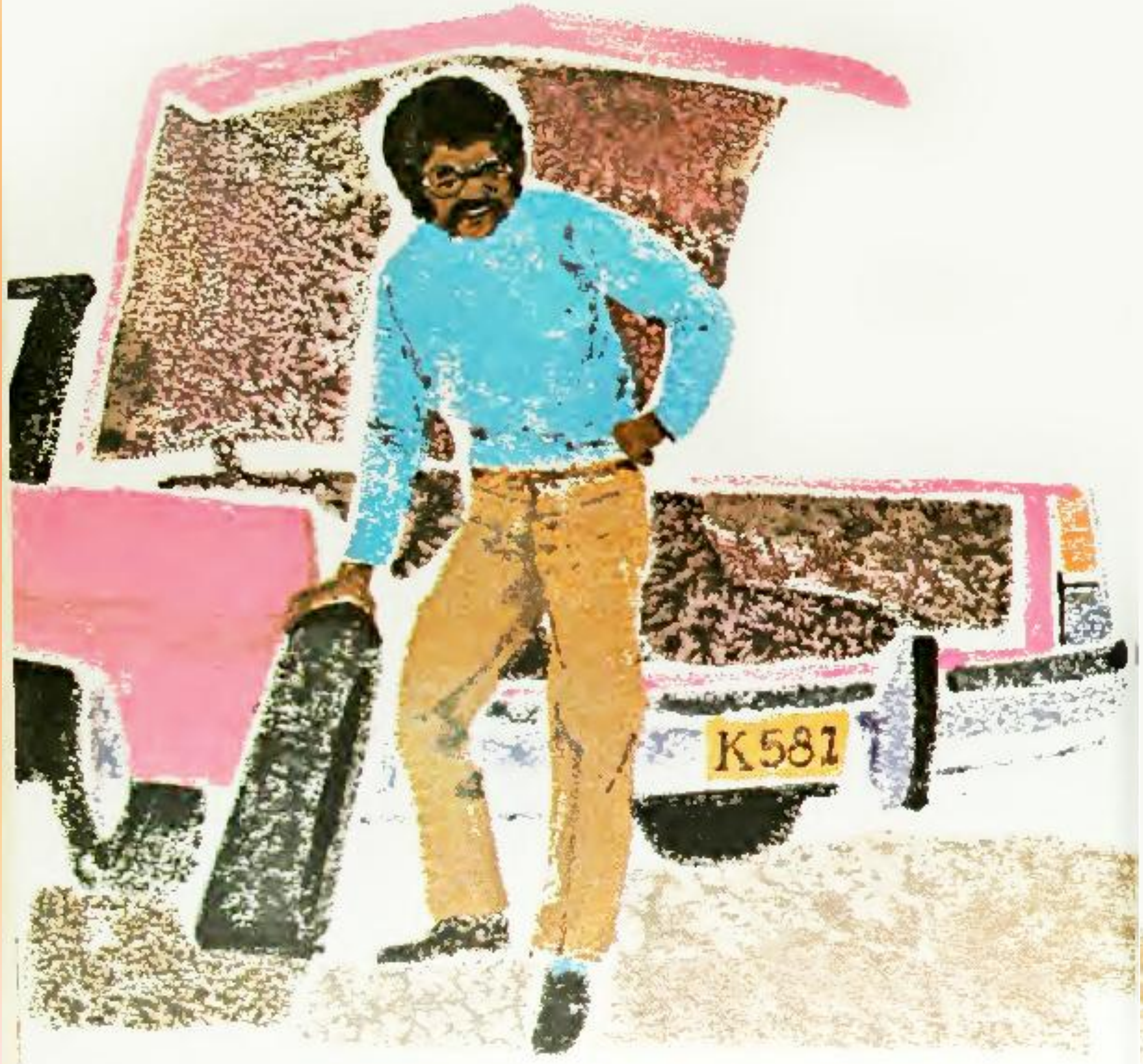

लेकिन तीसरी पहेली को सुलझाना

सरल नहीं था.

गली में सबसे

नरम चीज़ क्या थी?

बैनी ने चारों ओर देखा.

उसने पटरी के दोनों ओर देखा.

उसने आसपास के घरों की

दीवारों को देखा.

कोई भी चीज़ नरम नहीं लग रही थी.

बैनी रुक कर सोचने लगा.

तभी एक बड़ी, भूरे रंग की बिल्ली

उसके पास आई

और सिर से उसकी टांग रगड़ने लगी.

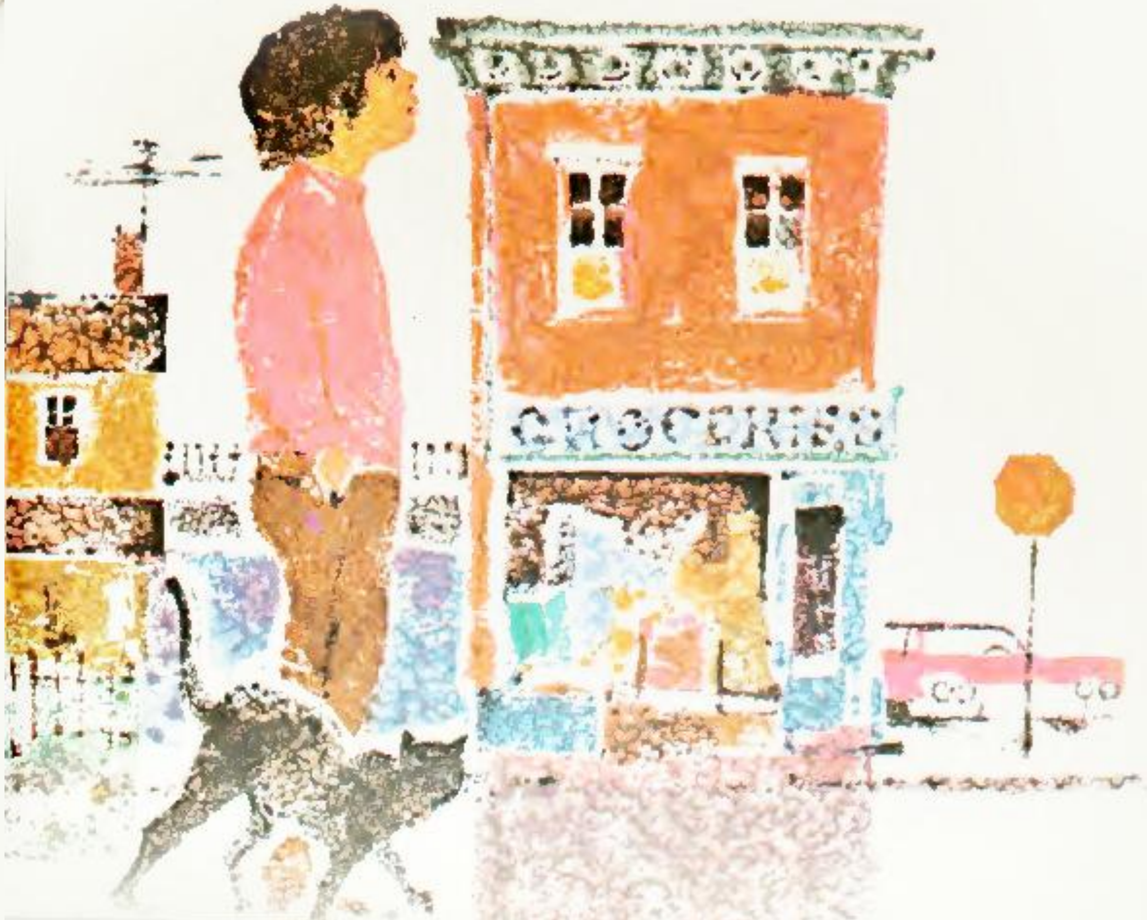

उसे थपथपाने के लिए वह झुका.

बिल्ली के रोयें घने और नरम थे.

नरम!

बैनी ने बिल्ली को

ज़ोर से प्यार किया.

फिर सारे रास्ते भागते हुए

वह घर आया.

“तुम बहुत जल्दी लौट आए”

उसकी माँ ने कहा.

“क्या तुम ने हार मान ली?”

"नहीं," बैनी ने कहा.

"मैंने तीनों पहेलियाँ हल कर ली हैं!"

"तो मुझे बताओ," माँ ने कहा.

"वह क्या है

जो हरा और चिपचिपा है

और हमारी गली में कल नहीं था?"

"जोसी का लॉलीपॉप," बैनी ने कहा.

"जोसी का लॉलीपॉप!" माँ ने कहा.

"लेकिन मैं तो उस दरवाज़े के बारे में

सोच रही थी जो हमारे घर के सामने है

और जिस पर आज सुबह ही

हरे रंग का पेंट किया गया था."

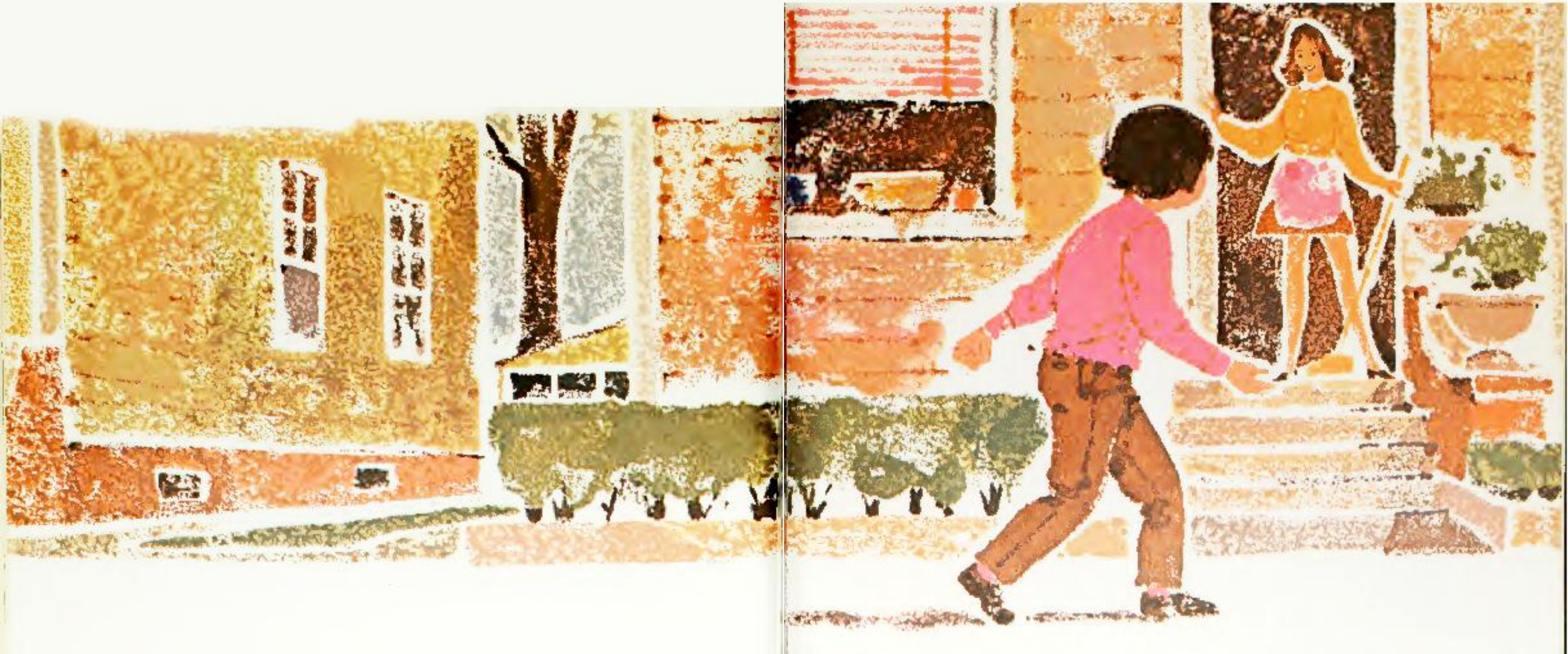

“जोसी की लॉलीपॉप

तो उससे अच्छा उत्तर है,

क्या नहीं है?”

बैनी ने पूछा.

बैनी की माँ हँस पड़ी.

“हाँ, अवश्य है.

अब बताओ वह क्या है जो चपटा है

और चार में से एक है?”

“मिस्टर ऐवरगुड का टायर”

बैनी ने कहा.

“वह पैनकेक की तरह चपटा है.

उसे बदलने में मैंने उनकी मदद की.”

“मिस्टर ऐवरगुड का टायर,”

माँ ने कहा.

"लेकिन मैं तो हमारे घर के
बाहर की चार सीढ़ियों के बारे में
सोच रही थी."

"मिस्टर ऐवरगुड का टायर
उससे अच्छा उत्तर है.
क्या नहीं है?" बैनी ने पूछा.

"हाँ, अवश्य अच्छा है,"

माँ ने कहा.

"अंतिम पहेली को लेकर मैं

उस स्थान के बारे में सोच रही थी

जो गली में मोड़ पर है

और जिसे अभी-अभी ठीक

किया गया है.

तुम उस जगह पर नहीं चलना.

वह जगह अभी बहुत नरम है.

यह मत कहना कि

तुम्हारे पास इस पहेली का

इससे अच्छा उत्तर है."

"हाँ, मेरे पास अच्छा उत्तर है,"

बैनी ने ऊँची आवाज़ में कहा.

"एक बिल्ली मिली थी

और हर कोई जानता है कि

गली में बिल्ली

सबसे नरम चीज़ है."

"बैनी," माँ ने कहा

"तुम्हारे सब उत्तर

मेरे उत्तरों से अच्छे हैं.

पहेली सुलझाने में

तुम से अच्छा कोई नहीं है!”